

Department of Higher Education, Govt of M.P.
Under graduate Semester wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2017-2018

सत्र -2017-18

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	प्रथम
Title of paper	:	Pracheen evam Madhyakaleen Kavya
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित विद्यार्थियों के लिए निर्धारित 50 स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित

Particulars/विवरण

इकाई एक	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, भूषण— निर्धारित अंशों से व्याख्या
इकाई दो	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, धाराएँ एवं विशेषताएँ
इकाई तीन	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	बिहारी, घनानन्द और भूषण पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ के कवि अमीर खुसरो, विद्यापति, जायसी, मीरा, रसखान, केशव, पद्माकर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट—	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यांश—

- कबीरदास—** सम्पादक—डॉ. श्यामसुन्दरदास— काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
गुरुदेव को अंग, बिरह को अंग, ग्यान बिरह को अंग प्रत्येक से प्रारंभिक 5-5 साखी एवं प्रारंभिक 5 पद
- सूरदास —** सम्पादक— डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
उद्धव संदेश — कुल 15 पद— कम संख्या 9, 10, 15, 21, 22, 26, 27, 29, 52, 53, 62, 82, 95, 101 एवं 120
- तुलसीदास —** (प्रकाशक—गीता प्रेस गोरखपुर)
विनय पत्रिका एवं कवितावली से प्रारंभिक 5-5 पद,
अयोध्या कांड (रामचरितमानस) दोहा क्रमांक 117 से 121 तक
- बिहारी—** बिहारी रत्नाकर —सम्पादक — जगन्नाथ दास रत्नाकर: (भक्ति, नीति, प्रकृति, श्रृंगार, विरह के 5-5 दोहे
) दोहा संख्या—1,5,6,7,8,11,14,16,18,19,21,25,28,31,32,35,37,38,41,51=कुल 20 दोहे

5. घनानन्द – सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, (15 सवैये)

2, 3, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 17, 19, 20, 22=कुल 15 पद

6. भूषण – रीति काव्यधारा –सं.डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी-
चयनित 14 कबित्त

वन्दना-1, 2,

शिवाजी प्रशस्ति-9, 10, 11, 12, 15, 17, 20,

छत्रसाल प्रशस्ति-22, 23, 26, 32, 34

द्रुत पाठ-

- (1) अमीर खुसरो
- (2) विद्यापति
- (3) जायसी
- (4) मीरा
- (5) रसखान
- (6) केशव
- (7) पदमाकर

प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंकों का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा।

अंक विभाजन: नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र- 42 $\frac{1}{2}$ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2 $\frac{1}{2}$ अंक त्रैमासिक, 05 अंक छह मासिक
कुल 7.5 अंक। इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42 $\frac{1}{2}$

खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 x 3 = 09 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय (आठ-आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 x 2 = 16 अंक
ब- व्याख्या - (कुल तीन व्याख्याएँ कमशः 4 $\frac{1}{2}$ +4+4 अंकों की)	= 12 $\frac{1}{2}$ अंक
	कुल अंक 42 $\frac{1}{2}$

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित - कुल 50 अंक। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन-

खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 x 4 = 12 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय(नौ-नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18 अंक
ब- व्याख्या - (पांच-पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 x 3 = 15 अंक
	कुल अंक 50

निर्धारित पुस्तक: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

टीप- दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे

Handwritten signatures and notes at the bottom of the page, including names like 'श्री. वन्दना शर्मा' and 'श्री. वन्दना शर्मा'.

प्रश्नपत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंकों का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा। द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन: नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र- 42½ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2½ अंक त्रैमासिक, 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक। इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42½

खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय (आठ-आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब- व्याख्या - (कुल तीन व्याख्याएँ कमश: 4½+4+4 अंकों की)	=12½ अंक
	कुल अंक 42½

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित - कुल 50 अंक। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन-

खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 =12 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय(नौ-नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 =18 अंक
ब- व्याख्या - (पांच-पांच अंकों की कुल 3 व्याख्याएँ)	5 X 3 =15 अंक
	कुल अंक 50

टीप- दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तक: हिन्दी कथा साहित्य-म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

Shy
(डा० लक्ष्मी गजरा) (डा० के०पी० मिश्र)
श्याम
(श्याम/श्याम) (श्री. गजराज) (डा० संस्था अंतराडे)
Shyam
(श्याम/श्याम) (डा० वन्दना श्याम/श्याम)
Shyam
(श्याम/श्याम) (डा० वन्दना श्याम/श्याम)
Shyam
(श्याम/श्याम) (डा० वन्दना श्याम/श्याम)

Department of Higher Education, Govt of M.P.
Under graduate semester wise syllabus
As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2018-2019

सत्र -2018-19

Class/ कक्षा	: B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	: हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	: द्वितीय
Title of paper/ प्रश्नपत्र का शीर्षक	: Hindi Bhasha&Sahitya Ka Itihas aur Kavyang Vivechan
Max.Marks /अधिकतम अंक	: 42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण


इकाई-1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप - बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा


इकाई-2 हिन्दी शब्द भंडार, हिन्दी का शब्द स्रोत - तत्सम, तदभव, देशज एवं विदेशी शब्दावली, तत्सम और तदभव का अंतर, पारिभाषिक शब्दावली।
हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य -कामता प्रसाद गुरु एवं किशोरी दास वाजपेयी का अवदान।


इकाई-3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियाँ।

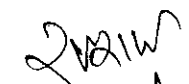
इकाई-4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास -भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग। छायावादोत्तर युगीन नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

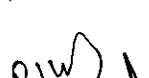
इकाई-5 काव्यांग विवेचन -रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द - दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।


(सि. वन्दना शर्मा)

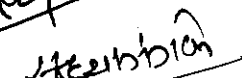

(डॉ. के. के. ज. (0. म. प्र.))

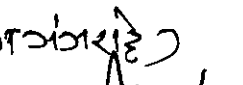

27-4-17
सि. वन्दना शर्मा



(सि. वन्दना शर्मा)


सि. वन्दना शर्मा


अ. प्र. शर्मा


(सि. वन्दना शर्मा)


सि. वन्दना शर्मा


(सि. वन्दना शर्मा)

अंक विभाजन: नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र- 42^{1/2} अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2^{1/2} अंक त्रैमासिक, 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक। इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42^{1/2}

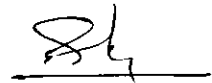
खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय (तीन-तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 = 09 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय (आठ-आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 = 16 अंक
ब- टिप्पणी - (कुल तीन टिप्पणियाँ कमशः 4 ^{1/2} +4+4 अंकों की)	= 12 ^{1/2} अंक
	कुल अंक 42 ^{1/2}


स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित - कुल 50 अंक। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन-


खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय (तीन-तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 4 = 12 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय (नौ-नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 X 2 = 18 अंक
ब- टिप्पणी - (पांच-पांच अंकों की कुल 3 टिप्पणियाँ)	5 X 3 = 15 अंक
	कुल अंक 50

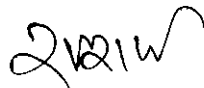
टीप- दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।


निर्धारित पुस्तक: हिन्दी भाषा - साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।



(डॉ. के. एस. मिश्र)



(डॉ. के. एस. मिश्र)

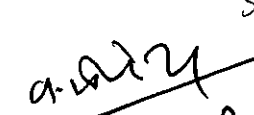

(डॉ. के. एस. मिश्र)

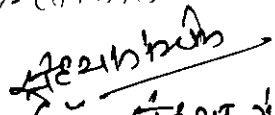

(डॉ. के. एस. मिश्र)



(डॉ. के. एस. मिश्र)


(डॉ. के. एस. मिश्र)


(डॉ. के. एस. मिश्र)


(डॉ. के. एस. मिश्र)


(डॉ. के. एस. मिश्र)


(डॉ. के. एस. मिश्र)

Department of Higher Education, Govt of M.P

Under graduate semester wise syllabus
As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-2020

सत्र 2019-2020

Class/कक्षा	: B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	: हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	: प्रथम
Title of paper/ प्रश्नपत्र का शीर्षक	: Prayojanmoolak Hindi प्रयोजन मूलक हिन्दी
Max.Marks /अधिकतम अंक	: 42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

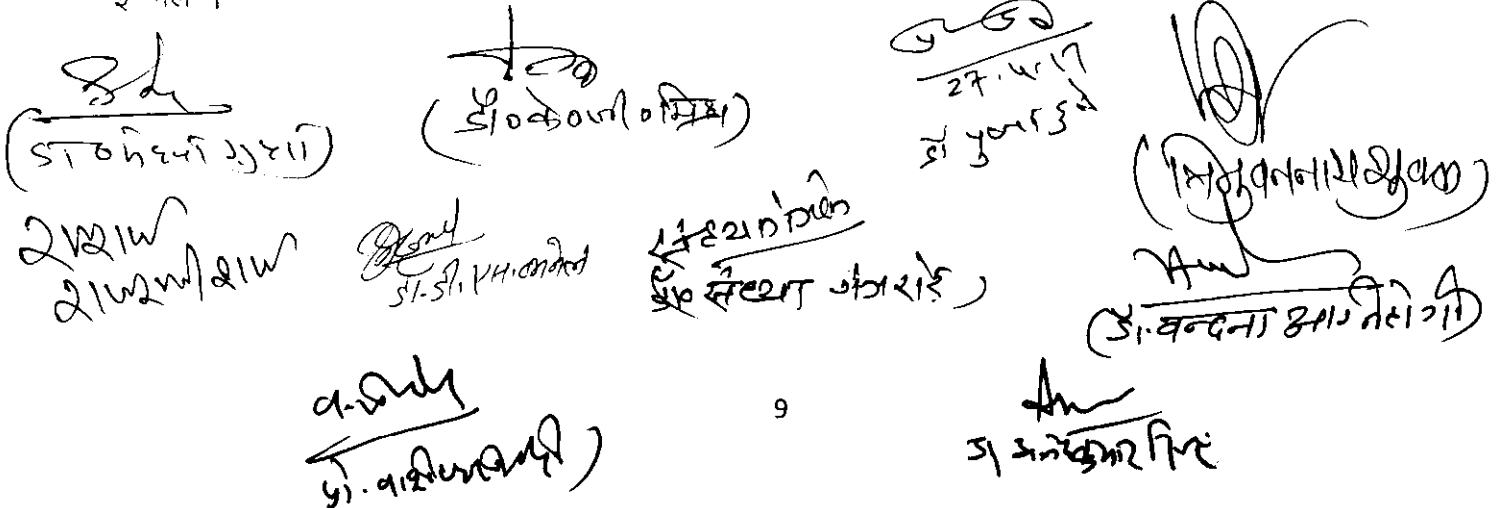
इकाई-1 प्रयोजन मूलक, हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप , कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध रूप। कम्प्यूटर : परिचय एवं रूपरेखा, वर्ड प्रोसेसिंग (एम.एस वर्ड डाटा प्रोसेसिंग),यूनिकोड, हिन्दी के अधुनातन साफ्टवेयर टूल।

इकाई-2 पत्राचार: कार्यालयीन पत्र, एवं व्यावसायिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण ,संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई-3 अनुवाद: स्वरूप एवं प्रक्रिया ,कार्यालयी , वैज्ञानिक, तकनीकी ,वाणिज्यिक, विविध ,आशु अनुवाद तथा पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई-4 पत्रकारिता: स्वरूप एवं समाचार लेखन । प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पृष्ठ-सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण, पटकथा लेखन एवं फीचर लेखन।

इकाई-5 प्रमुख संचार माध्यम- रेडियो ,टीवी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि, ई-मेल।



Department of Higher Education, Govt of M.P.
Under graduate semester wise syllabus
As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-2020

सत्र 2019-2020

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य-वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)
प्रश्न पत्र	:	द्वितीय
Title of Paper	:	Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayan Evam Bundeli Bhasha
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बुन्देली भाषा- साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई-1 व्याख्यांश: 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और 'एकांकी
दीपदान: डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसी: विष्णु प्रभाकर,
निबंध-'करुणा': पं.रामचन्द्र शुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैं: हजारी प्रसाद द्विवेदी,
नाटक -उत्तिष्ठ भारत: त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)।


'ईसुरी', 'जगनिक', 'माधव शुक्ल मनोज' एवं संतोष सिंह बुन्देला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

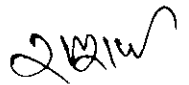

इकाई-2 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।


इकाई-3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास।
(निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)


इकाई-4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बुन्देली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय,
इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

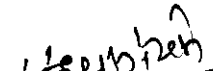
इकाई-5 द्रुत पाठ- लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सुरेश शुक्ल
'चन्द्र', बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं.भैयालाल व्यास एवं डॉ.दुर्गेश दीक्षित पर
केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।



(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)



(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)

डा. अ. अ. अ. अ. अ.




(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)


डा. अ. अ. अ. अ. अ.


(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)


(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)


27.11.17
डा. अ. अ. अ. अ. अ.


(डा. अ. अ. अ. अ. अ.)

डा. अ. अ. अ. अ. अ.

Department of Higher Education, Govt of M.P.
 Under graduate semester wise syllabus
 As recommended by central board of studies and approved by the governor of M.P.
 उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
 स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
 केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-2020
 सत्र 2019-2020

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य-वैकल्पिक प्रश्न पत्र (ब)
प्रश्न पत्र	:	द्वितीय
Title of Paper	:	Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bagheli Bhasha
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बघेली भाषा- साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	42 ½ नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई-1 व्याख्यांश: 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और 'एकांकी दीपदान: डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसी: विष्णु प्रभाकर, निबंध-'करुणा': पं.रामचन्द्र शुक्ल, नाखून क्यों बढ़ते हैं: हजारी प्रसाद द्विवेदी, नाटक -उत्तिष्ठ भारत: त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरम्भ के दो दृश्य)।

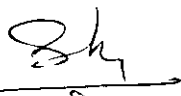
'सैफुद्दीन सिद्दकी सैफू', अमोल बटरोही एवं 'शिवशंकर मिश्र "सरस" की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

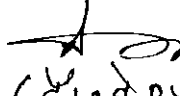
इकाई-2 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।


इकाई-3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)


इकाई-4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बघेली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

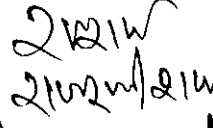
इकाई-5 द्रुत पाठ- लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सुरेश शुक्ल "चन्द्र", बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दाहिया, मैथिलीशरण शुक्ल "मैथिली" एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

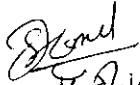

(डॉ. रामकुमार वर्मा)

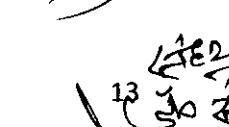

(विष्णु प्रभाकर)



H. Prasad



(त्रिभुवननाथ शुक्ल)


(रामचन्द्र शुक्ल)


Amol Batra


(शिवशंकर मिश्र)


S. Anand


(श्री. महाध्वनाथ शुक्ल)

अंक विभाजन: नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र— 42½ अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2½ अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42½


खण्ड अ — 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब— लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 x 3 = 09 अंक
खण्ड स— अ— दीर्घ उत्तरीय (आठ-आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 x 2 = 16 अंक
ब— टिप्पणी — (कुल तीन टिप्पणियों कमशः 4½+4+4 अंकों की)	= 12½ अंक
	कुल अंक 42½


स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित — कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन—

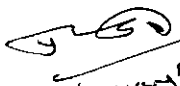
खण्ड अ — 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब— लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 x 4 = 12 अंक
खण्ड स— अ— दीर्घ उत्तरीय(नौ-नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18 अंक
ब— टिप्पणी — (पांच-पांच अंकों की कुल 3 टिप्पणियां)	5 x 3 = 15 अंक
	कुल अंक 50


टीप— दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

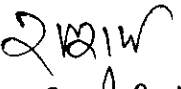
निर्धारित पुस्तक: " हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं बघेली भाषा-साहित्य " म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।



(डा. मंजरी गुप्ता)

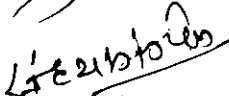


(डा. के. ए. मिश्र)



डा. युलका



(डा. मंगलेश्वर)


(डा. मंजरी गुप्ता)


डा. मंजरी गुप्ता


(डा. मंजरी गुप्ता)

डा. वन्दना शर्मा


(डा. मंजरी गुप्ता)


मंजरी गुप्ता

अंक विभाजन: नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र- 42 1/2 अंक, + आन्तरिक मूल्यांकन 2 1/2 अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 7.5 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 42 1/2

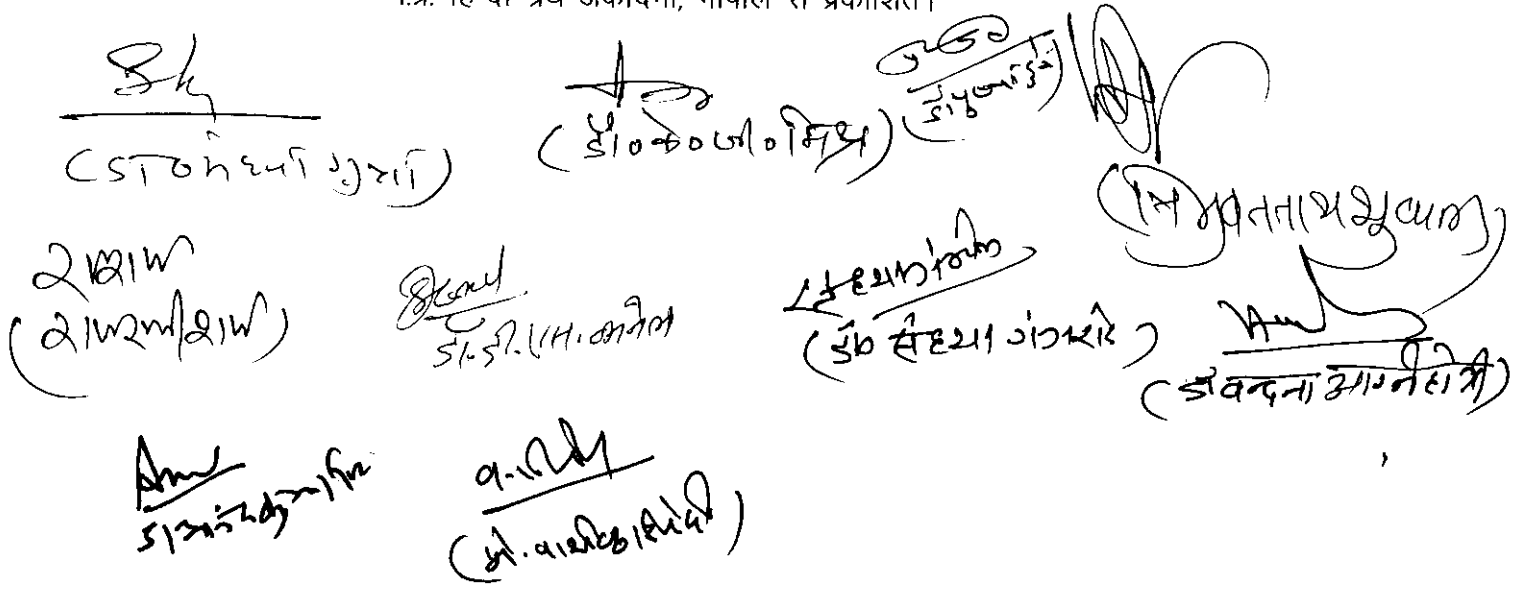
खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 x 3 = 09 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय (आठ-आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 x 2 = 16 अंक
ब- टिप्पणी - (कुल तीन टिप्पणियों कमशः 4 1/2 + 4 + 4 अंकों की)	= 12 1/2 अंक
	कुल अंक 42 1/2

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित - कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा। अंक विभाजन-

खण्ड अ - 1 वस्तुनिष्ठ (एक-एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 x 5 = 05 अंक
खण्ड ब- लघु उत्तरीय(तीन-तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 x 4 = 12 अंक
खण्ड स- अ- दीर्घ उत्तरीय(नौ-नौ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	9 x 2 = 18 अंक
ब- टिप्पणी - (पांच-पांच अंकों की कुल 3 टिप्पणियां)	5 x 3 = 15 अंक
	कुल अंक 50

टीप- दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तकि विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तक: " हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य-विधाएँ एवं मालवीय भाषा-साहित्य " म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।



 (सि. व. शर्मा) (डी. के. ज. मिश्र) (डी. ए. मिश्र) (मि. म. त. शर्मा)

 (ए. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा)

 (डी. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा) (डी. ए. शर्मा)